हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा रिषद्

दूरभाष नं० 0172–2570743
ई–मेलः chairpersonhshec@gmail.com

तकनीकी शिक्षा सदन,
बेज़ नं० 7–12, सैक्टर –4,
पंचकुला– 134109

दिनांक: 09.06.2022

प्रेस विज्ञप्ति

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय परिषद् के पुस्तकों का विमोचन करेंगे आज

कोविड काल के दौरान उच्च शिक्षा की व्यवस्था पर आधारित है दोनों पुस्तकें

प्रदेश के 43 प्राध्यापकों ने कोविड काल में उच्च शिक्षा पर लिखा है निबंध

पंचकुला। 08 जून

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन शुक्रवार, 10 जून को सुबह 11.30 बजे सेक्टर 3 चंडीगढ़ के हरियाणा निवास में किया जाएगा। पुस्तक विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय होंगे। कार्यक्रम में परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला भी उपस्थित रहेंगे। प्रो. बृज किशोर कुठियाला एवं प्रो. राजीव कुमार के संपादकीय में प्रकाशित दोनों पुस्तकों में प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत 43 वरिष्ठ प्राध्यापकों ने अपने निबंध नि:शुल्क उपलब्ध कराया है। माननीय मुख्यमंत्री के अनुशंसा पर दोनों पुस्तकों का प्रकाशन शासकीय प्रेस पंचकूला से नि:शुल्क किया गया है। पुस्तक विमोचन समारोह के बारे में परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने बताया कि कोरोना काल में शिक्षा व्यवस्था पर आधारित दो पुस्तकों का प्रकाशन 'Managing Education Post Covid: Challenges & Opportunities' और 'कोरोना काल में शिक्षा व्यवस्था चुनौतियां एवं संभावनाएं' नाम से किया गया है। प्रो. कुठियाला ने बताया कि हिंदी भाषा में प्रकाशित पुस्तक में कुल 13 और अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत पुस्तक में 24 निबंध शामिल है।

विमोचित होने वाले पुस्तकों में डॉ. अजय गर्ग ने अपने निबंध में आभासी कक्षा को वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में देखने का प्रयास किया है। प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कोरोना महामारी के बचाव में योग शिक्षा का महत्व पर अपने निबंध को विस्तार दिया है। प्रो. हरीश कुमार ने कोविड महामारी से जूझते समकालीन परिदृश्य में डिजिटल शिक्षा पद्धति को महत्व दिया है। डॉ. सुधा जैन ने प्राचीन शिक्षण-पद्धति और वर्तमान युग में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला है। डॉ. राजेन्द्र कुमार अवस्थी ने ई-शिक्षा के संभावित विकल्पों को पाठकों के सामने प्रस्तुत किया है। डॉ. ज्योति जुनेजा ने महामारी के बाद पाठ्यक्रमों में भारतीय संस्कृति के समावेश की आवश्यकता पर बल दिया है। डॉ. विभा अग्रवाल ने शिक्षक छात्र के सहज संवाद के विविध आयाम को अपने निबंध में विस्तार दिया है।

पुस्तक में भारतीय चिंतन परंपरा के ओजस्वी विद्वान स्व. प्रो. ओम प्रभात अग्रवाल ने 'शिक्षा भारत अथवा इंडिया के लिये' विषय पर लिखे निबंध के माध्यम से भारत में भारतीय रूपरेखा के शिक्षा की अनिवार्यता को रेखांकित किया है। श्री रामरति मलिक ने शिक्षक-छात्र के सहज संवाद करने के विविध आयाम को बताया है। डॉ. कश्यप कुमार दुबे ने वैश्विक महामारी में उच्च-शिक्षा में डिजिटलाइजेशन के परिप्रेक्ष्य में चुनौतियां और सुझाव को प्रस्तुत किया है।

डॉ.सुषमा जोशी ने ऑनलाइन शिक्षा की चुनौतियां, डॉ. राकेश वधवा ने नागरिक-शिक्षण पर शिक्षण की अनिवार्यता एवं डॉ. आशा रानी ने कोविड-19 से जीवन में आये बदलाव पर अपने-अपने निबंधों में चिंतन किया है।

प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने बताया कि पुस्तक विमोचन समारोह में पुस्तक में योगदान देने वाले सभी व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि आज कोरोना संकट के दौर में ऑनलाइन शिक्षा के जरिये शिक्षा के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। कोरोना ने जीवन को नए सिरे से जीने का रास्ता दिखाने के साथ अकेले रहने की मानवीय क्षमता एवं स्वयं के साथ नए प्रयोग के लिए प्रेरित किया है। इस विषम परिस्थिति से शीघ्र निकलने के लिए शिक्षकों ने कई नये अभिनव प्रयोग किए है। अपने प्रयोगों के कारण कोरोना काल में समाज को जागरूक करने में शिक्षकों की भूमिका पुन: महत्वपूर्ण हो गई। शिक्षक विद्यार्थियों को ऑनलाइन तो पढ़ा ही रहे है, साथ में विद्यार्थियों के अभिभावकों के बीच जागरूकता का सेतु भी बने है। देश में डिजिटल शिक्षा का चलन तेजी से बढ़ा है। शिक्षण प्रक्रिया में तकनीक और प्रौद्योगिकी का भी प्रयोग हो रहा है। शिक्षा का यह बदलता स्वरूप डिजिटल औद्योगिक प्रौद्योगिकी से जुड़ा हुआ है, जो छात्रों को सीखने का एक नया दृष्टिकोण देती है।

सादर,

डॉ. अमरेन्द्र कुमार आर्य
जनसंपर्क एवं प्रकाशन अधिकारी(प्रभार)
हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद्